Refer Page-15

14-01-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

"मीठे बच्चे - कदम-कदम बाप की श्रीमत पर चलते रहो, एक बाप से ही सुनो तो माया का वार नहीं होगा"

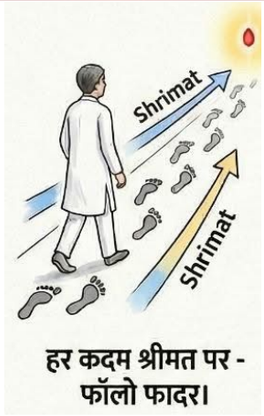

प्रश्नः-ऊंच पद प्राप्त करने का आधार क्या है?

उत्तरः-ऊंच पद प्राप्त करने के लिए बाप के हर डायरेक्शन पर चलते रहो। बाप का डायरेक्शन मिला और बच्चों ने माना। दूसरा कोई संकल्प तक भी न आये। 2- इस रूहानी सर्विस में लग जाओ। तुम्हें और कोई की याद नहीं आनी चाहिए। आप मुये मर गई दुनिया तब ऊंच पद मिल सकता है।

आप मुये मर गयी दुनिया।
अगर आप मर जाओ तो दुनिया भी आपके लिए जैसे कि खत्म हो गयी। जब मन से पुरानी दुनिया और दुनियावी वैभवों का त्याग करते हैं अर्थात् जब दुनिया से मरते हैं तब हमारे लिए जैसे कि दुनिया भी खत्म हो जाती है। किसी का मरना माना दुनियावी बातों से, सुख-दु:ख से, अतीत होना। ऐसे ही ब्राह्मण बच्चे भी सुख-दु:ख, निन्दा-स्तुति, हानि-लाभ में एकरस रहते हैं। प्रभावित न होकर उससे अतीत या पार हो जाते हैं।

गीतः-तुम्हें पाके हमने..... Click

तुम्हें पाके हमने जहाँ पा लिया है
तुम्हें पाके हमने जहाँ पा लिया है
ज़मीं तो ज़मीं आसमाँ पा लिया है
तुम्हें पाके हमने जहाँ पा लिया है
तुम्हें पाके हमने

मिटा न सकेगी जिसे अब ख़िज़ाँ भी
जला न सकेगी अब बिजलियाँ भी
मोहब्बत का वो आशियाँ पा लिया है
तुम्हें पाके हमने जहाँ पा लिया है
तुम्हें पाके हमने

ज़माने के ग़म प्यार में ढल गए हैं
ज़माने के ग़म प्यार में ढल गए हैं
उम्मीदों के लाखों दिए जल गए हैं
उम्मीदों के लाखों दिए जल गए हैं
के जबसे तुम्हें मेहरबाँ पा लिया है
तुम्हें पाके हमने जहाँ पा लिया है
तुम्हें पाके हमने

जहाँ से मोहब्बत की राहें मिली हैं
वहीं से मेरी गर्दिशें थम गई हैं
न बिछड़ेंगे हम कारवाँ पा लिया है
तुम्हें पाके हमने जहाँ पा लिया है
तुम्हें पाके हमने

ओम् शान्ति। मीठे-मीठे रूहानी बच्चों ने यह गीत सुना। वो है भक्ति मार्ग का गाया हुआ। इस समय बाप इसका रहस्य समझाते हैं। बच्चे भी समझते हैं

- अब हम बाप से बेहद का वर्सा पा रहे हैं। वह राज्य हमारा कोई छीन न सके। भारत का राज्य बहुतों ने छीना है ना। मुसलमानों ने छीना, अंग्रेजों ने छीना। वास्तव में पहले तो रावण ने छीना है, आसुरी मत पर। यह जो बन्दरों का चित्र बनाते हैं - हियर नो ईविल, सी नो ईविल.... इनका भी कोई रहस्य होगा ना। बाप समझाते हैं एक तरफ है रावण की आसुरी सम्प्रदाय, जो बाप को नहीं जानते हैं। दूसरी तरफ हो तुम बच्चे। तुम भी पहले नहीं जानते थे। बाप इनके लिए भी सुनाते हैं कि इसने भी बहुत भक्ति की है, इनका यह है बहुत जन्मों के अन्त का जन्म। यही पहले पावन थे, अब पतित बने हैं। इनको मैं जानता हूँ। अभी तुम और किसकी मत सुनो। बाप कहते हैं, मैं तुम बच्चों से बात करता हूँ। हाँ, कभी कोई मित्र-सम्बन्धियों आदि को ले आते हैं तो थोड़ी बात कर लेता हूँ।

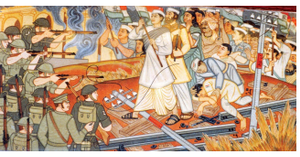

m.m.m....imp.

पहली बात तो है पवित्र बनना है तब ही बुद्धि में धारणा होगी। यहाँ के कायदे बहुत कड़े हैं। आगे कहते थे 7 रोज़ भट्ठी में रहना है, और कोई की याद न आये, न पत्र आदि लिखना है। रहो भल

कहाँ भी। परन्तु सारा दिन भट्ठी में रहना पड़े। अभी तो तुम भट्ठी में पड़कर फिर बाहर निकलते हो। कोई तो आश्चर्यवत् सुनन्ती, कथन्ती, अहो

माया फिर भागन्ती हो गये। यह है बड़ी भारी मंजिल। बाप का कहना नहीं मानते। बाप कहते हैं

तुम तो वानप्रस्थी हो। तुम क्यों मुफ्त में फँस पड़े हो। तुम तो इस रूहानी सर्विस में लग जाओ। तुम्हें और कोई की याद नहीं आनी चाहिए। आप मुये मर गई दुनिया तब ऊंच पद मिल सकता है। तुम्हारा पुरुषार्थ ही है - नर से नारायण बनने का।

Refer Pg-15

कदम-कदम बाप के डायरेक्शन पर चलना पड़े। परन्तु इसमें भी हिम्मत चाहिए। (Just like हनुमान) सिर्फ कहने की बात नहीं है। मोह की रग कम नहीं है, नष्टोमोहा

होना है। मेरा तो एक शिवबाबा, दूसरा न कोई। हम तो बाबा की शरण लेते हैं। हम विष कभी नहीं देंगे। तुम ईश्वर तरफ आते हो तो माया भी तुमको छोड़ेगी नहीं, खूब पछाड़ेगी।

ये पक्का समझ लो..
So, Be Prepared

जैसे वैद्य लोग कहते हैं - इस दवाई से पहले सारी बीमारी बाहर निकलेगी। डरना नहीं। यह भी ऐसे है। माया खूब

सतायेगी, वानप्रस्थ अवस्था में भी विकार के

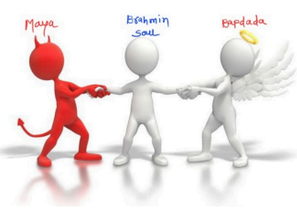

संकल्प ले आयेगी। मोह उत्पन्न हो जायेगा। बाबा पहले से ही बता देते हैं कि यह सब होगा। जहाँ तक जियेंगे, यह माया की बॉक्सिंग चलती रहेगी।

माया भी पहलवान बन तुमको छोड़ेगी नहीं। यह ड्रामा में नूँध है। मैं थोड़ेही माया को कहूँगा कि विकल्प न लाओ। बहुत लिखते हैं बाबा कृपा करो। मैं थोड़ेही किस पर कृपा करुँगा। यहाँ तो तुमको श्रीमत पर चलना है। कृपा करूँ फिर तो सब महाराजा बन जाएं। ड्रामा में भी है नहीं। सब धर्म वाले आते हैं। जो और-और धर्म में ट्रान्सफर हो गये होंगे वह निकल आयेंगे। यह सैपलिंग लगता है, इसमें बड़ी मेहनत है। नये जो आते हैं तो सिर्फ कहना है बाप को याद करो। शिव भगवानुवाच, श्रीकृष्ण तो 84 जन्मों में आते हैं। अनेक मत, अनेक बातें हैं। यह बुद्धि में पूरा धारण करना है। हम पतित थे। अब बाप कहते हैं तुम पावन कैसे बनो। कल्प पहले भी कहा था - मामेकम् याद करो। अपने को आत्मा समझ देह के सब धर्म छोड़ जीते जी मरो। मुझ एक बाप को ही याद करो। मैं सर्व की सद्गति करने आया हूँ।

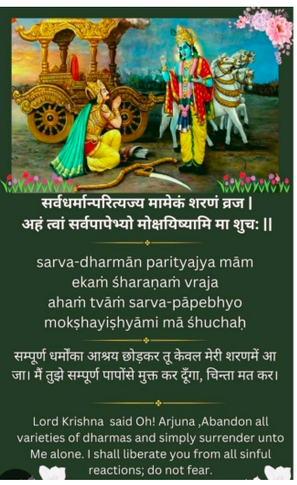

14-01-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

भारतवासी ही ऊंच बनते हैं फिर 84 जन्म ले नीचे उतरते हैं। बोलो, तुम भारतवासी ही इन देवी-देवताओं की पूजा करते हो। यह कौन हैं? यह स्वर्ग के मालिक थे ना। अभी कहाँ हैं? 84 जन्म कौन लेते हैं? सतयुग में तो यही देवी-देवता थे। अभी फिर इस महाभारत लड़ाई द्वारा सबका विनाश होना है। अभी सब पतित तमोप्रधान हैं। मैं भी इनके बहुत जन्मों के अन्त में ही आकर प्रवेश करता हूँ। यह पूरा भक्त था। नारायण की पूजा करता था। इनमें ही प्रवेश कर फिर इनको नारायण बनाता हूँ। अब तुमको भी पुरुषार्थ करना है। यह डीटी राजधानी स्थापन हो रही है। माला बनती है ना। ऊपर में है निराकार फूल, फिर मेरू युगल। शिवबाबा के नीचे एकदम यह खड़े हैं। जगतपिता ब्रह्मा और जगत अम्बा सरस्वती। अभी तुम इस पुरुषार्थ से विष्णुपुरी के मालिक बनते हो। प्रजा भी तो कहती है ना - भारत हमारा है। तुम भी समझते हो हम विश्व के मालिक हैं। हम राजाई करेंगे, और कोई धर्म होगा ही नहीं। ऐसे नहीं कहेंगे - यह हमारी राजाई है, और कोई राजाई है नहीं।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Point to be Noted

समझा?

यहाँ बहुत हैं तो हमारा तुम्हारा चलता है। वहाँ यह बातें ही नहीं। तो अब बाप समझाते हैं - बच्चे, और सब बातें छोड़ मामेकम् याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। ऐसे नहीं कोई सामने बैठ निष्ठा (योग) कराये, दृष्टि दे। बाप तो कहते हैं चलते-फिरते बाप को याद करना है। अपना चार्ट रखो (1) - सारे दिन में कितना याद किया? (2) सवेरे उठ कितना समय बाप से बातें की? (3) आज बाबा की याद में बैठे? ऐसे-ऐसे अपने से मेहनत करनी है। नॉलेज तो बुद्धि में है फिर औरों को भी समझाना है। यह किसकी बुद्धि में नहीं आता है कि काम महाशत्रु है। 2-4 वर्ष रहकर फिर माया का थप्पड़ जोर से लगने से गिर पड़ते हैं। फिर लिखते हैं बाबा हमने काला मुँह कर दिया। बाबा लिख देते काला मुँह करने वाले को 12 मास यहाँ आने की दरकार नहीं है। तुम बाप से प्रतिज्ञा कर फिर भी विकार में गिरे, मेरे पास कभी नहीं आना। बड़ी मंजिल है। बाप आये ही हैं पतित से पावन बनाने। बहुत बच्चे शादी कर पवित्र रहते हैं। हाँ, किसी बच्ची पर मार पड़ती है तो उनको बचाने लिए गन्धर्वी विवाह कर पवित्र

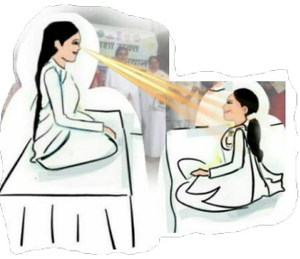

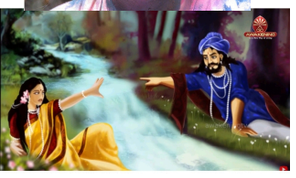

रहते हैं। उसमें भी कोई-कोई को तो नाक से माया पकड़ लेती है। हार खा लेते हैं। स्त्रियां भी बहुत हार खा लेती हैं। बाप कहते हैं तुम तो सूपनखा हो, यह सब नाम इस समय के ही हैं। यहाँ तो बाबा कोई विकारी को बैठने भी न दे। कदम-कदम पर बाप से राय लेनी पड़े। सरेन्डर हो जाए तो फिर बाप कहेंगे अब ट्रस्टी बनो। राय पर चलते रहो। पोतामेल बतायेंगे तब तो राय देंगे। यह बड़ी समझने की बातें हैं। तुम भोग भल लगाओ परन्तु मैं खाता नहीं हूँ। मैं तो दाता हूँ। अच्छा!

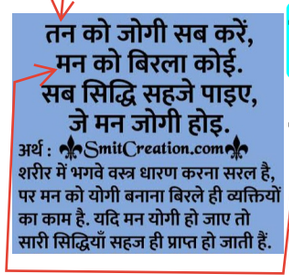

Mind very well...

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

मेरे मीठे ते मीठे बाबा...

रात्रि क्लास - 15-6-68

Very Subtle Psychology

पास्ट जो हो गया है उनको रिवाईज करने से जिनकी कमज़ोर दिल है तो उन्हों के दिल की कमज़ोरी भी रिवाईज हो जाती है इसलिये बच्चों को ड्रामा के पट्टे पर ठहराया गया है। मुख्य फायदा है ही याद से। याद से ही आयु बड़ी होनी है। ड्रामा को बच्चे समझ जायें तो कब ख्याल न हो। ड्रामा में इस समय ज्ञान सीखने और सिखाने का चल रहा है। फिर पार्ट बन्द हो जायेगा। न बाप का, न हमारा पार्ट रहेगा। न उनका देने का पार्ट, न हमारा लेने का पार्ट होगा। तो एक हो जायेंगे ना। हमारा पार्ट नई दुनिया में हो जायेगा। बाबा का पार्ट शान्तिधाम में होगा। पार्ट का रील भरा हुआ है ना, हमारा प्रारब्ध का पार्ट, बाबा का शान्तिधाम का पार्ट। देने और लेने का पार्ट पूरा हुआ, ड्रामा ही पूरा हुआ। फिर हम राज्य करने आयेंगे, वह पार्ट चेंज होगा। ज्ञान स्टाप हो जायेगा, हम वह बन जायेंगे। पार्ट ही पूरा तो बाकी फर्क नहीं रहेगा। बच्चे और बाप का भी पार्ट नहीं रहेगा। यह भी

कहाँ मिलेगा बाबा ऐसा सतयुग में तेरा प्यार...

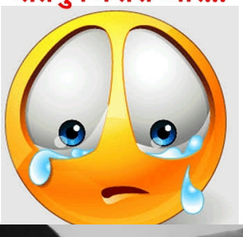

Feel this Point (Refer last pages to realise those last moments)

अभी तो बाहों में झुलाते हो,
पलकों पे अपने बिठाते हो,
ज्ञान रत्न से सजाते हो, मीठे मीठे बोल सुनाते हो।
कैसे भूलेंगे तेरा बाबा, प्यार और दुलार।
कहाँ मिलेगा बाबा ऐसा,
सतयुग में तेरा प्यार

Heart breaking line..

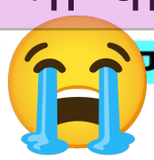

Points: सेवा M.imp.

शिव बाबा = आत्मा।

ज्ञान को पूरा ले लेते हैं। उनके पास भी कुछ रहता ही नहीं है। न देने वाले पास रहे, न लेने वाले में कमी रही तो दोनों एक दो के समान हो गये। इसमें विचार सागर मंथन करने की बुद्धि चाहिए। खास पुरुषार्थ है याद की यात्रा का। बाप बैठ समझाते हैं। सुनाने में तो मोटी बात हो जाती है, बुद्धि में तो सूक्ष्म है ना। अन्दर में जानते हैं शिवबाबा का रूप क्या है। समझाने में मोटा रूप हो जाता है। भक्ति मार्ग में बड़ा लिंग बना देते हैं। आत्मा है तो छोटी ना। यह है कुदरत। कहाँ तक अन्त पायेंगे? फिर पिछाड़ी में बेअन्त कह देते। बाबा ने समझाया है सारा पार्ट आत्मा में भरा हुआ है। यह कुदरत है। अन्त नहीं पाया जा सकता। सृष्टि चक्र का अन्त तो पाते हैं। रचयिता और रचना के आदि मध्य अन्त को तुम ही जानते हो। बाबा नॉलेजफुल है। फिर हम भी फुल हो जायेंगे। पाने लिये कुछ रहेगा नहीं। बाप इसमें प्रवेश कर पढ़ाते हैं। वह है बिन्दी। आत्मा का वा परमात्मा का साक्षात्कार होने से खुशी थोड़ेही होती है। मेहनत कर बाप को याद करना है तो विकर्म विनाश होंगे। बाप कहते हैं मेरे

जरा सोचो तो सही...

इस जहान में हम सा कौन खुशनसीब होगा?

चढ़ाओ नशा...

वाह रे मैं...

Take it Seriously..

This is done in 2017
अभी सिर्फ Revision चल रहा है

14-01-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

में ज्ञान बन्द हो जायेगा तो तेरे में भी बन्द हो जायेगा। नॉलेज ले ऊंच बन जाते हैं। सभी कुछ ले लेते हैं फिर भी बाप तो बाप है ना। तुम आत्मायें आत्मा ही रहेंगे, बाप होकर तो नहीं रहेंगे। यह तो

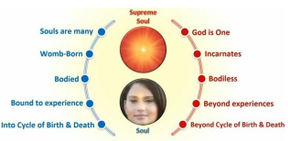

ज्ञान है। बाप बाप है, बच्चे बच्चे हैं। यह सभी

विचार सागर मंथन कर डीप में जाने की बातें हैं। यह भी जानते हैं जाना तो सभी को है। सभी चले जाने वाले हैं। बाकी आत्मा जाकर रहेगी। सारी दुनिया ही खत्म होनी है। इसमें निडर रहना होता है। पुरुषार्थ करना है निडर हो रहने का। शरीर आदि का कोई भी भान न आवे। उसी अवस्था में जाना है। बाप आप समान बनाते हैं, तुम बच्चे भी

आप समान बनाते रहते हो। एक बाप की ही याद रहे ऐसा पुरुषार्थ करना है। अभी टाइम पड़ा है। यह रिहर्सल तीखी करनी पड़े। प्रैक्टिस नहीं होगी

Don't Take it easy

तो खड़े हो जायेंगे। टांगे थिरकने लग पड़ेगी और हार्ट फेल अचानक होता रहेगा। तमोप्रधान शरीर को हार्टफेल होने में देरी थोड़ेही लगती है। जितना

अशरीरी होते जायेंगे, बाप को याद करते रहेंगे उतना नज़दीक आते जायेंगे। योग वाले ही निडर

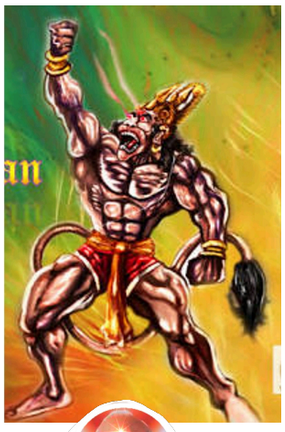

14-01-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

रहेंगे। योग से शक्ति मिलती है, ज्ञान से धन मिलता है। बच्चों को चाहिए शक्ति। तो शक्ति पाने लिये बाप को याद करते रहो। बाबा है अविनाशी सर्जन। वह कब पेशेन्ट बन न सके। अभी बाप कहते हैं तुम अपनी अविनाशी दवाई करते रहो। हम ऐसी संजीवनी बूटी देते हैं जो कब कोई बीमार न पड़े। सिर्फ पतित-पावन बाप को याद करते रहो तो पावन बन जायेंगे। देवतायें सदैव निरोगी पावन हैं ना। बच्चों को यह तो निश्चय हो गया है हम कल्प कल्प वर्सा लेते हैं। इम्मेमोरियल टाइम बाप आया है जैसे अभी आया है। बाबा जो सिखलाते, समझाते हैं यही राजयोग है। वह गीता आदि सभी भक्ति मार्ग के हैं। यह ज्ञान मार्ग बाप ही बताते हैं। बाप ही आकर नीचे से ऊपर उठाते हैं। जो पक्के निश्चय बुद्धि हैं वही माला का दाना बनते हैं। बच्चे समझते हैं भक्ति करते करते हम नीचे गिरते आये हैं। अभी बाप आकर सच्ची कमाई कराते हैं। लौकिक बाप इतनी कमाई नहीं कराते जितनी पारलौकिक बाप कराते हैं। अच्छा बच्चों को गुडनाईट और नमस्ते।

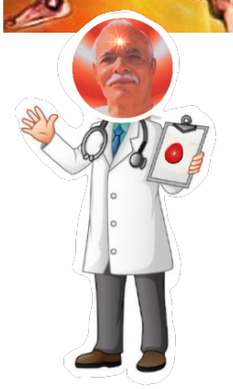

Infinite Times (∞)

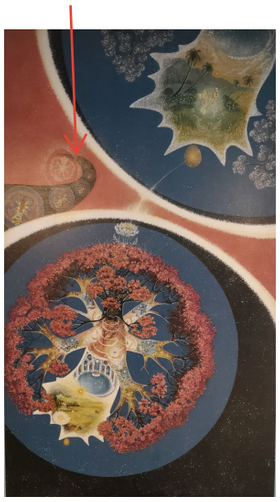

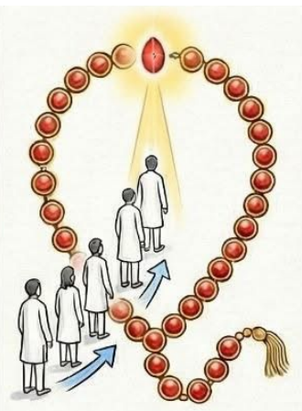

विजयी माला का मणका बनना।

14-01-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति

धारणा के लिए मुख्य सार:-

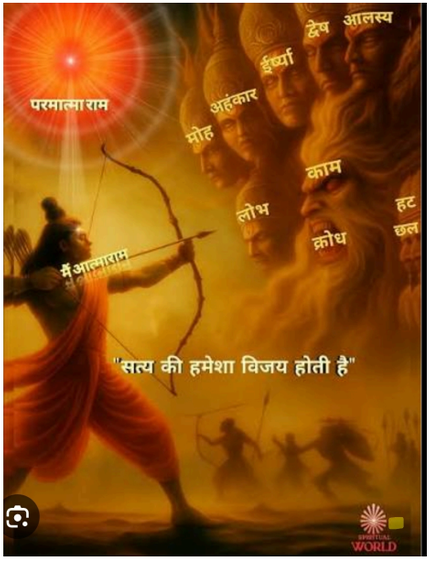

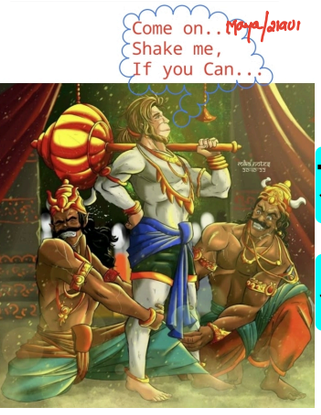

1) माया पहलवान बन सामने आयेगी, उससे डरना नहीं है। मायाजीत बनना है। कदम-कदम श्रीमत पर चल अपने ऊपर आपेही कृपा करनी है।

2) बाप को अपना सच्चा-सच्चा पोतामेल बताना है। ट्रस्टी होकर रहना है। चलते-फिरते याद का अभ्यास करना है।

इसलिए सिर्फ महावीर का ही याद रखना है

हिम्मत भी सिर्फ अभी दिखा सकते हो...

अभी नहीं तो कभी नहीं

Always Remember this...

Be Brave & Give open challenge to Maya/Ravan

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

वरदान:- रूहे गुलाब बन दूर-दूर तक रूहानी खुशबू फैलाने वाले रूहानी सेवाधारी भव

रूहानी रूहे गुलाब अपनी रूहानी वृत्ति द्वारा रूहानियत की खुशबू दूर-दूर तक फैलाते हैं।

उनकी दृष्टि में सदा सुप्रीम रूह समाया हुआ रहता है। वे सदा रूह को देखते, रूह से बोलते।

(1) मैं रूह हूँ, (2) सदा सुप्रीम रूह की छत्र-छाया में चल रहा हूँ, (3) मुझ रूह का करावनहार सुप्रीम रूह है, ऐसे हर सेकेण्ड हजूर को हाजिर अनुभव करने वाले सदा रूहानी खुशबू में अविनाशी और एकरस रहते हैं। यही है रूहानी सेवाधारी की नम्बरवन विशेषता।

स्लोगन:- निर्विघ्न बन सेवा में आगे नम्बर लेना अर्थात् नम्बरवन भाग्यशाली बनना।

Never try to underestimate the power of दिया

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा .....p.

अव्यक्त इशारे -

इस अव्यक्ति मास में

बन्धनमुक्त रह जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करो

ब्राह्मण जीवन में देह का बंधन, संबंध का बंधन, साधनों का बंधन - सब खत्म हो गया ना! कोई बंधन नहीं।

बंधन अपने वश में करता है और संबंध स्नेह का सहयोग देता है।

तो देह के सम्बन्धियों का देह के नाते से सम्बन्ध नहीं लेकिन आत्मिक संबंध है। ऐसे ब्राह्मण अर्थात् जीवन-मुक्त।

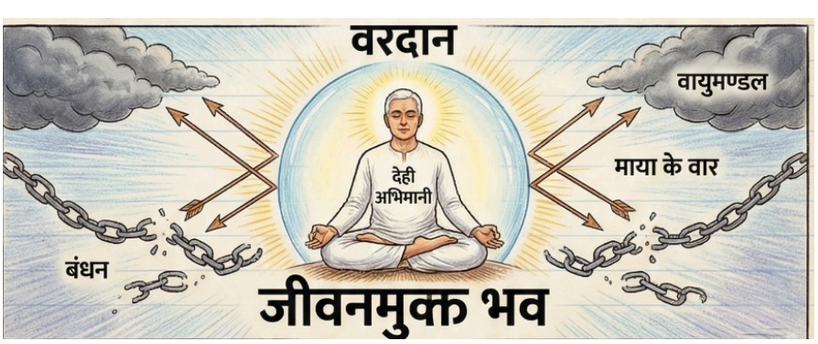

भक्ति मार्ग में हनुमान की इतनी महिमा क्यों है?

क्योंकि उन्होंने अपनी बुद्धि को कहीं पर चलाया नहीं और जो राम ने कहा उसको as it is करके दिखाया इसलिए तो भक्त लोग पहले ही दोहे में condition रखते हैं कि (बुद्धिहीन तनु जानिके सुमिरौं पवनकुमार ।) हे हनुमान, आपको हम (राम के सम्मुख) बुद्धि हीन जानकर पुकार रहे हैं...क्योंकि श्री राम के आगे आपने कभी भी अपनी बुद्धि नहीं चलाई और जो भी श्री राम ने कहा उसको हाँ जी कहकर As it is follow किया (नहीं तो किसीको बुद्धिहीन कहना तो जैसे उसकी insult है लेकिन दुनियवी रीति की वही insult हनुमान के लिए सभी शक्तियों और महिमा का स्त्रोत है।)
फिर उसकी महिमा जो भी है _जय हनुमान ज्ञान गुण सागर, जय कपीस तिहुं लोक उजागर_ शुरू करते है...

तो सबसे ऊंचा समर्पण मन-बुद्धि-संस्कारो का है। बाप दादा जो कहे वो ही करना है,
अगर भरी दोपहरी धूप में बापदादा कहे की "ये रात है" तो हमारे लिए भी रात है, एक संकल्प मात्र भी कुछ और न चले। क्योंकि माया के चक्रव्यूह को समझने के लिए हम असमर्थ है और वो सर्वशक्तिमान, मायापति सभी चक्रव्यूह को जानते है तो वो जो भी कहेंगे उसमें ही हमारा कल्याण निश्चित समाया हुआ है।

Avyakt vani date: 14/10/2015

देखो यह समय कितना वैल्युबुल है, जो पहचान रहे हैं कि हमको राज्य भाग्य मिल रहा है। हम हैं क्या और क्या बनने वाले हैं! नशा है, खुशी है, हम ही थे और हम ही हो रहे हैं। खुशी है! है खुशी तो हाथ उठाओ। हाँ देखो कितनी खुशी है क्योंकि हमारा युग आने वाला है। देखो, यहाँ सब मातायें दिखाई देती हैं। मातायें खुश कितनी हो रही हैं, वाह हमारा युग आ गया, हमारा युग आ गया। अकेली आप भी नहीं होंगी, युगल होंगे। राज्य करेंगे ना! तो राज्य अकेला थोड़ेही करेंगे। राज्य में तो दोनों ही होंगे ना। तो खुशी होती है हमारा राज्य आ गया। बाप आया ही है राज्य देने के लिए। और सबको कितनी खुशी है! अब अपना राज्य होगा। हमारा राज्य। नशा कितना है! और राज्य की खुशी कितनी है! हमारा राज्य आया कि आया। कितनी खुशी है! बताओ। कैसे बतायेंगे। ताली बजाओ। तालियों का आवाज देखो क्या है! वाह! और सबकी शक्लें देखो, इतनी मुस्करा रही हैं, हमारा राज्य आ गया। खुशी है ना सभी को! तभी तो तालियां बजाई। अभी तो दु:खी होना या रोना उसकी जरूरत ही नहीं है, खुशी के दिन आ गये, हमारा राज्य आ गया, हमारा राज्य... नशा कितना है! दूसरे के राज्य में बहुत टाइम रहे अभी हमारा राज्य, खुशी है ना! भाईयों को खुशी है! बहनों को है? देखो, चारों ओर खुशी देख करके कितना अच्छा लग रहा है। कोई के दिल में दु:ख की लहर नहीं, खुश और बापदादा भी आप सभी को इस खुशी की बहुत-बहुत-बहुत बधाई दे रहे हैं।

दादी जानकी जी बापदादा से गले मिली:- सभी सोच रहे हैं हम भी मिलें। लेकिन बाबा के हृदय में सब समाये हुए हो। एक एक एक बाबा के दिल में समाया हुआ है।

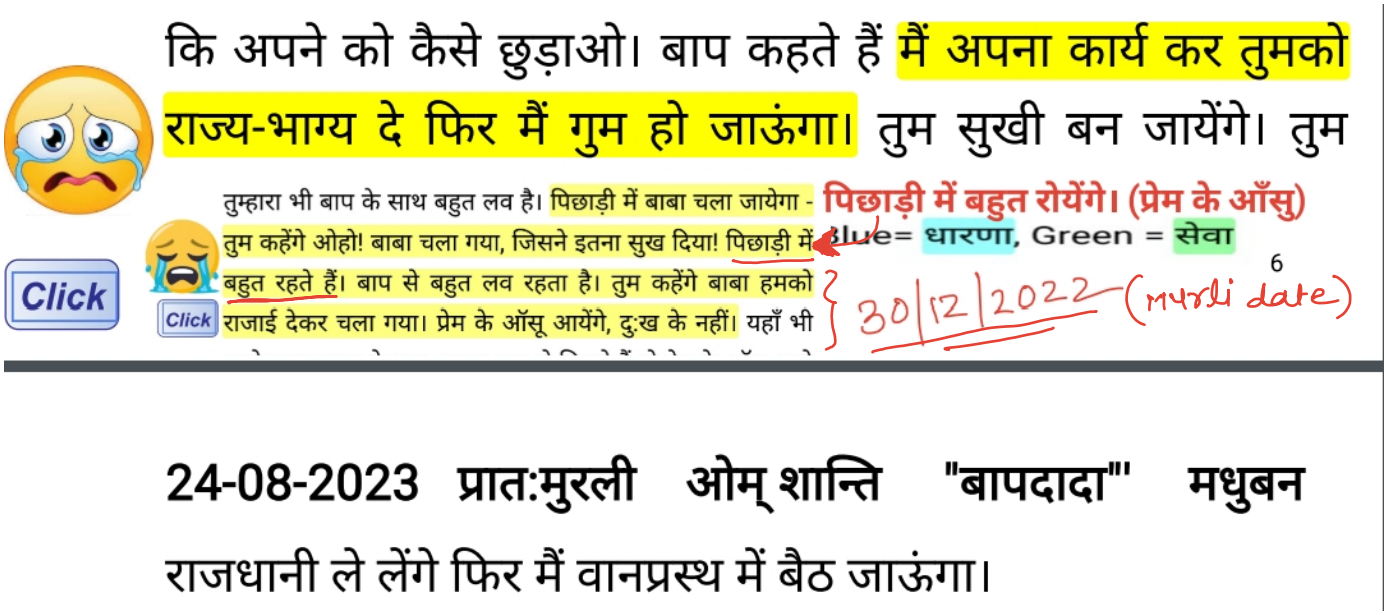

24-08-2023 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

राजधानी ले लेंगे फिर मैं वानप्रस्थ में बैठ जाऊंगा।

14 अक्तूबर 2015, को जब अव्यक्त बापदादा आये थे और उन्होंने मुरली में कहा की हमारा राज्य आ गया...
अभी उस मुरली को भी 8 साल से ज्यादा हो गए है...
तो इसका मतलब यह होता हैं की बाबा की प्रत्यक्षता को अभी ज्यादा समय नहीं रहा और साथ ही सतयुग आने को भी ज्यादा समय नहीं रहा।
ये सुन कर सभी को अवश्य ही ख़ुशी होती होंगी।

परंतु क्या साथ में कभी ये भी सोचा है की मीठे,प्यारे बाबा से बिछड़ने का समय भी समीप आ रहा हैं।

जैसे छोटे बच्चे को पहली बार स्कूल में भेजते हैं तब वो अपनी प्यारी माँ से बिछड़ने पर कितना न रोता हैं। आप सब को ये अनुभव तो अवश्य ही याद होंगा।

बाबा ने 30/12/2022 की साकार मुरली में कहा था कि "पिछाड़ी में बाबा चला जायेगा - तुम कहेंगे ओहो! बाबा चला गया, जिसने इतना सुख दिया! पिछाड़ी में बहुत रोते हैं। बाप से बहुत लव रहता है। तुम कहेंगे बाबा हमको राजाई देकर चला गया। प्रेम के ऑसू आयेंगे, दु:ख के नहीं।"

तो आज का यह गीत मेरी शिव माँ को समर्पित हैं, जब मैं सतयुग में जाने समय उनसे बिछड़ रहा होऊंगा तब आँखों में प्यार के आँसुओ का समंदर लिए उनके आँचल से लिपटकर उनको, उनसे दूर न भेजने की बिनती कर रहा होऊंगा।
क्योंकि बिछड़ने के बाद 5 पल, 5 मिनट,5 घंटे,5 दीन, 5 महीने या 5 साल नहीं अपितु 5000 वर्षो की लंबी जुदाई सहन करनी पड़ेंगी।

क्योंकि जिससे एक पल की भी दूरी किसी सजा से कम न हो वहाँ 5000 साल...?😭😭😭😭😭

Movie: तारे जमीं पर... (2007)
======∞========

Click ← link of the song

Main kabhi batlata nahin
Par andhere se darta hoon main maa

(मेरी प्यारी माँ,
आप संगम पर सदैव मेरे साथ हो तो माया की चालबाजी या ड्रामा की विनाश जैसी विकराल सीन से भी रिंचक मात्र डर नहीं हैं,
परंतु आपको एक बात बताऊ ...?
की द्वापर से आने वाले मायावी अँधेरे से मुझे अवश्य ही डर लगता हैं क्योंकि वहाँ आप मेरे साथ नहीं होती।

in short, आपके बिना मैं माया के सामने कुछ भी नहीं।)

Yun to main, dikhlata nahin
Teri parwaah karta hoon main maa

(शायद मैं आपको अपना प्यार जताने में असमर्थ रहा हूँ,
परंतु आपसे बेपनाह प्यार होने कारन मुझे आपसे दूर न हो जाऊं उसकी परवाह जबसे आप मुझे इस कल्प के संगम पर मिले हो तब से ही हैं और जब भी मन में ये संकल्प मात्र भी आता था की 'कहां मिलेगा बाबा ऐसा सतयुग में तेरा प्यार' और आंखों से अश्रुओ की बौछार हो जाती थी
और ये क्या.... आज तो वो ही दिन आ ही गया है जब की मैं आपसे दूर होने जा रहा हूं।)

Tujhe sab hain pata, hai na maa
Tujhe sab hain pata, meri maa

(चूँ की आप मेरी माँ हो, तो आप मेरी यह मनः स्थिति को तो भली भांति जानती हो ना?)

Bheed mein yun na chhodo mujhe
Ghar laut ke bhi aa naa paaoon maa

(इस बेहद के ड्रामा के इतने सारे actors की भीड़ में मुझे न छोड़िये,
【भले ही उन सब actors पर मुझे राज्य ही क्यों न करना हो अर्थात विश्व महाराजन का श्रेष्ठ पद ही क्यों न हो?
- वो भी नहीं चाहिए मुझे।】

जिससे की मैं वापिस आपके पास अपने सच्चे घर शान्तिधाम में आ भी ना सकूँ।)

Bhej na itna door mujkko tu
Yaad bhi tujhko aa naa paaoon maa

(हमे यह भी मालूम हैं की आप भी हमसे बेइंतेहा प्यार करती हो,
तो ओ मेरी प्यारी माँ, मेरी मीठी माँ, मेरे प्राण आप मुझे इतना तो दूर न भेजो की आपको मैं याद भी न आऊँ।)

Kya itna bura hoon main maa
Kya itna bura meri maa

(या फिर एक बात बताईये,
क्या मैं इतना तो बुरा नही हूँ जो आप मुझे अपनेसे इतने लंबे समय के लिए इतना दूर भेज रही हो?)

25/03/2025

बाप सर्वशक्तिमान है या ड्रामा? ड्रामा है फिर उनमें जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है? शिवबाबा। और फिर रावण। आधाकल्प है राम राज्य, आधाकल्प है रावण राज्य। घड़ी-घड़ी बाप

$$$$$$$$$$

Jab bhi kabhi papa mujhe
Jo zor se jhoola jhulate hain maa ....

(द्वापर युग से ड्रामा[पापा] अनुसार जब भी कोइ difficult परिस्थितियां आई हैं तब....)

समझ:-
शिवबाबा ने कहा है की मुझसे ऊपर ड्रामा है और मैं भी drama के बंधनमें बांधा हुआ हूँ।

तो इसका एक मतलब ये भी निकल सकता है की शिवबाबा मेरे लिए साजन/माता/पिता/बच्चा/ दोस्त ... in short सबकुछ है और ड्रामा हुआ मेरे लिए खुदा।
तो यहाँ इस पंक्ति को यूं समझो की शिवबाबा है माँ (ममता से परिपूर्ण) जो हमेशा मेरे अच्छे या बुरे सभी कर्मो में या किसी भी परिस्थिति में मुझे सपोर्ट करती है साथ ही मेरी कमी कमजोरियों को दर किनार कर मुझको हर हमेशा प्यार देती है
और ड्रामा है पिता(कर्म रूपी नियम ही सब कुछ) जो मुझे अपने विकर्मो अनुसार विकट/Difficult परिस्थिति में भी भेजते है...।

Meri nazar dhoondhe tujhe
Sochu yahi tu aa ke thaamegi maa
(चूँ की मेरे संगमयुगी संस्कार हैं की जैसे ही छोटी सी भी परिस्थिति आई तो मैंने दिल से सिर्फ संकल्प किया की "मेरा बाबा, मेरा साथी आ जाओ मदद करो" और आप उसी क्षण तुरंत हाज़िर हो कर मुझे अपनी बाहों में समा कर किसी भी विकट/difficult परिस्थितियों से सहज ही पार करा देते हो, जैसे की मक्खन से बाल।

तो द्वापर/कलियुग में भी परिस्थिति आने पर तुरंत ही मेरे बुद्धि रूपी नेत्र आपको दूर दूर तक ढूंढने लगते और सोचता हूँ की अभी- अभी आप मेरी प्यारी माँ आकर के मुझे अपनी बाहों में अपने प्यार के आँचल में भर लेंगी।

किन्तु.....
आपके आने का पार्ट तो संगम पर होने के कारन आप आती नहीं हो....,)

Unse main yeh kehta nahin
Par main seham jaata hoon maa
Chehre pe aana deta nahin
Dil hi dil mein ghabraata hoon maa
(और फिर आपके न आने पर किसी को कुछ भी बताये बीना मैं स्तब्ध होके अकेला सहम सा जाता हूँ।

परंतु फिर भी आपका महावीर बच्चा होने के कारन भल दिल ही दिल में तो बहुत घबराहट होती हैं किन्तु उस घभराहट की effect अपने चेहरे पर आने नहीं देता।)

Tujhe sab hai pata hai naa maa
Tujhe sab hai pata meri maa
(तो ओ मेरी मीठी माँ, ओ मेरी प्यारी माँ, ओ मेरी प्राण माँ
आपको ये सब तो पता ही है ना...?
तो बस एक ही प्यार भरी गुजारिश है कि please...🙏🙏🙏 आप मुझे अपने से इतना दूर मत भेजिए।)

Main kabhi batlata nahin
Par andhere se darta hoon main maa
Yun to main, dikhlata nahin
Teri parwaah karta hoon main maa
Tujhe sab hain pata, hain na maa
Tujhe sab hain pata, meri maa

यहां हम आपके लिए एक हॉलीवुड मूवी नार्निया/Narnia का 4 मिनट का Ending Scene रख रहे हैं जिसमें दर्शाया गया है कि लायन (जो की हमारे प्यारे शिव बाबा है) वह हम बच्चों को राज्य - भाग्य दे रहे हैं और राज्य भाग्य देने के बाद वह हमसे बिछड़ कर चले जाएंगे।

Click

Heart Breaking Lines...
"मैं गुम हो जाऊंगा।"

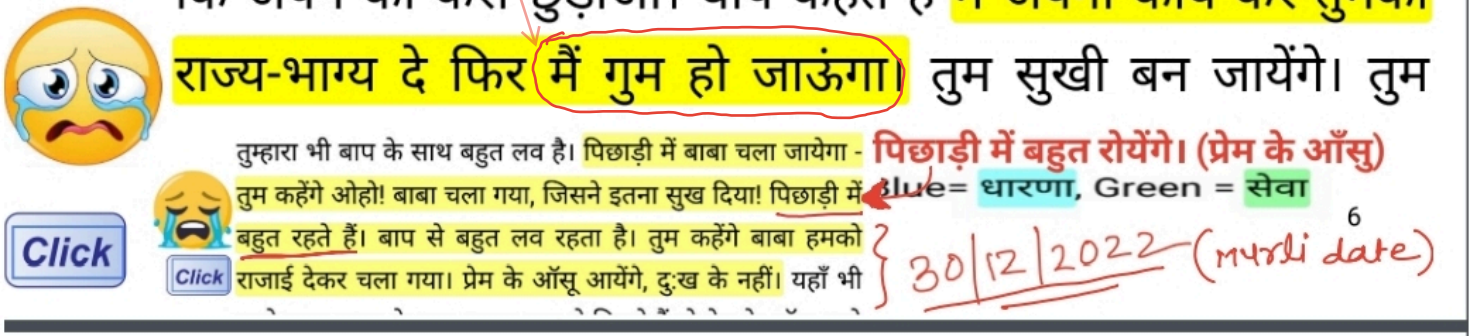

24-08-2023 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

राजधानी ले लेंगे फिर मैं वानप्रस्थ में बैठ जाऊंगा।